



MICROFINANCE INSTITUTIONS NETWORK

Media Coverage Report

Case Study: Centrum Microcredit: Supporting Ambitious Women Entrepreneurs

Region: Raipur, Chhattisgarh

Date of Dissemination: October 15, 2020

Media Coverage Index

S. No.	Date	Publication Name	Edition
1.	16.10.2020	Dainik Vishwa Pariwar	Raipur
2.	16.10.2020	Rashtriya Hindi Mail	Raipur
3.	16.10.2020	Ispat Times	Raipur
4.	15.10.2020	Agradoot	Raipur
5.	15.10.2020	Tarun Chhattisgarh	Raipur
6.	16.10.2020	Aman Path	Raipur
7.	16.10.2020	Dabang Duniya	Raipur
8.	16.10.2020	Swadesh	Raipur
9.	16.10.2020	Samvet Shikhar	Print
10.	15.10.2020	Central Chronicle	Online
11.	15.10.2020	NCB India	Online
12.	15.10.2020	Khabar Express24	Online

Publication	Dainik Vishwa Pariwar
Edition	Raipur
Date	16 th October, 2020
Page No.	02

बीरगांव की हेमप्रभा बनी अन्य महिलाओं के लिए मिसाल

रायपुर (विश्व परिवार)। बीरगांव की रहने वाली हेमप्रभा शर्मा ने अपने दृढ़ संकल्प से एक गृहणी से सफल उद्यमी बनकर अन्य



महिलाओं के लिए प्रेरक बनी हुई है। हेमप्रभा के पति आयुर्वेदिक डॉक्टर है, चूंकि आय सीमित थी ऐसे में परिवार की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने संकल्पित हेमप्रभा ने काम करके अपने परिवार को सपोर्ट करने का फैसला किया। उन्होंने अपने पति के क्लीनिक के पास ही एक छोटी फार्मसी की दुकान शुरू करने की ठानी, जिसके लिए सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट ने समर्थन दिया जिससे उन्होंने लोन लेकर

फार्मसी स्टोर की शुरूआत की। छह साल बीत चुके हैं, हेमप्रभा आज एडिशनल फाइनेंस राउंड के साथ अपने उत्पाद रेंज का विस्तार करने ज्यादा प्रोडक्ट खरीद रहीं हैं, इतना ही नहीं पारिवारिक आर्थिक सहायता के साथ अब वे अपने फार्मसी स्टोर को और अधिक विस्तार करने विचार कर रहीं हैं। हेमप्रभा कहती हैं कि मैं अपने परिवार को बेहतर और सुरक्षित भविष्य प्रदान करने के लिए सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट की बहुत आभारी हूं।

Publication	Rashtriya Hindi Mail
Edition	Raipur
Date	16 th October, 2020
Page No.	08

बीरगांव की हेमप्रभा बनी महिलाओं के लिए मिसाल

**सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट
महत्वाकांक्षी महिला उद्यमियों
का कर रहा है समर्थन**

रायपुर। बीरगांव, रायपुर छत्तीसगढ़ की हेमप्रभा शर्मा अपने दृढ़ संकल्प की वजह से एक गृहणी से लेकर एक सफल उद्यमी बनने तक की उनकी सफलता की कहानी काफी प्रेरणादायक और दिलचस्प है। हेमप्रभा के पति आयुर्वेदिक डॉक्टर हैं, जो एक छोटा सा क्लिनिक चलाते हैं और परिवार में एकमात्र कमाने वाले हैं। हालाँकि क्लिनिक से होने वाली कमाई से चार लोगों के परिवार की बढ़ती जरूरतों को पूरा करना आसान नहीं था। परिवार की बिगड़ती आर्थिक स्थिति उसके दो बच्चों की शिक्षा को भी प्रभावित कर रही थी। परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए दृढ़ संकल्पित हेमप्रभा ने काम



करके अपने परिवार को सपोर्ट करने का फैसला किया। हालाँकि बीरगांव में रोजगार के सीमित अवसर थे और ऐसे में उनके पास उद्यमशीलता एकमात्र विकल्प था। अपने पति के डॉक्टर होने के कारण उन्होंने उनके क्लिनिक के पास एक छोटी फार्मसी की दुकान शुरू करने के बारे में सोचा। इस तरह उनके लिए दुकान द्वारा ग्राहकों तक पहुंच बना पाना एवं आय सुनिश्चित करना आसान लगा और यह उनके पति के काम में भी सहायक होगा।

Publication	Ispat Times
Edition	Raipur
Date	16 th October, 2020
Page No.	08

बीरगांव की हेमप्रभा बनी अन्य महिलाओं के लिए मिसाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ - बीरगांव, रायपुर छत्तीसगढ़ की हेमप्रभा शर्मा अपने दृढ़ संकल्प की वजह से एक गृहणी से लेकर एक सफल उद्यमी बनने तक की उनकी सफलता की कहानी काफी प्रेरणादायक और दिलचस्प है।

हेमप्रभा के पति आयुर्वेदिक डॉक्टर हैं, जो एक छोटा सा क्लिनिक चलाते हैं और परिवार में एकमात्र कमाने वाले हैं। हालांकि क्लिनिक से होने वाली कमाई से चार लोगों के परिवार की बढ़ती जरूरतों को पूरा करना आसान नहीं था। परिवार की बिगड़ती आर्थिक स्थिति उसके दो बच्चों की शिक्षा को भी प्रभावित कर रही थी। परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए दृढ़ संकल्पित हेमप्रभा ने काम करके अपने परिवार को सपोर्ट करने का फैसला किया।



हालांकि बीरगांव में रोजगार के सीमित अवसर थे और ऐसे में उनके पास उद्यमशीलता एकमात्र विकल्प था।

अपने पति के डॉक्टर होने के

कारण उन्होंने उनके क्लिनिक के पास एक छोटी फार्मसी की दुकान शुरू करने के बारे में सोचा। इस तरह उनके लिए दुकान द्वारा ग्राहकों तक पहुंच बना पाना एवं आय सुनिश्चित

करना आसान लगा और यह उनके पति के काम में भी सहायक होगा। लेकिन पर्याप्त पैसों की कमी उसके सपनों के बीच रुकावट बन गई। इस कमी को सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट के एक ऋण अधिकारी ने पूरी की। ऋण अधिकारी ने उन्हें माइक्रोफाइनेंस और जॉइंट लेंडिंग मॉडल के बारे में अच्छी तरह से समझाया। अच्छी तरह समझने के बाद वो आर्थिक उज्ज्वल भविष्य को देखते हुए वह तुरंत सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट की सदस्य बन गई।

कंपनी की सहायता से उन्हें अपना पहला लोन 15,000 रुपये का मिला, जिससे उन्होंने फार्मसी स्टोर शुरू कर दिया। आखिरकार उनके व्यवसाय का विस्तार होने लगा और परिवार की वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ। जैसा कि उन्होंने पहले अनुमान लगाया था, इससे उन्होंने अपने पति

के क्लिनिक को भी सपोर्ट किया। छह साल बीत चुके हैं और अपने एडिशनल फाइनेंस राउंड के साथ उन्होंने अपने उत्पाद रेंज का विस्तार करने के लिए ज्यादा प्रोडक्ट खरीदे। आज हेमप्रभा के व्यवसाय ने उन्हें अपने बेटों को एक प्रतिष्ठित फार्मसी कॉलेज में पढ़ा? के लिए सक्षम बनाया है और वे जल्द ही फार्मसी स्टोर को विस्तार करने के लिए उनके साथ जुड़ेंगे। हेमप्रभा ने कहा कि, मैं सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट के साथ अपने पाँचवें लोन साइकल पर हूँ। मैं अपने सपने पूरे करने और अपने बच्चों के लिए बेहतर और सुरक्षित भविष्य प्रदान करने में मदद करने के लिए सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट की बहुत आभारी हूँ। अब हमारा परिवार आर्थिक रूप से सुरक्षित है और हम खुशहाल व सुरक्षित जीवन जी रहे हैं।

Publication	Agradoot
Edition	Raipur
Date	15 th October, 2020
Page No.	03

बीरगांव की हेमप्रभा बनी अन्य महिलाओं के लिए मिसाल

रायपुर। बीरगांव की हेमप्रभा शर्मा अपने दृढ़ संकल्प की वजह से एक गृहणी से लेकर एक सफल उद्यमी बनने तक की उनकी सफलता की कहानी काफी प्रेरणादायक और दिलचस्प है।

हेमप्रभा के पति आयुर्वेदिक डॉक्टर हैं, जो एक छोटा सा क्लिनिक चलाते हैं और परिवार में एकमात्र कमाने वाले हैं। हालाँकि क्लिनिक से होने वाली कमाई से चार लोगों के परिवार की बढ़ती जरूरतों को पूरा करना आसान नहीं था। परिवार की बिगड़ती आर्थिक स्थिति उसके दो बच्चों की शिक्षा को भी प्रभावित कर रही थी।

परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए दृढ़ संकल्पित हेमप्रभा ने काम करके अपने परिवार को सपोर्ट करने का फैसला किया। हालाँकि बीरगांव में रोजगार के सीमित अवसर थे और ऐसे में उनके पास उद्यमशीलता एकमात्र विकल्प था।

अपने पति के डॉक्टर होने के कारण उन्होंने उनके क्लिनिक के पास एक छोटी फार्मसी की दुकान शुरू करने के बारे में सोचा। इस तरह उनके लिए दुकान द्वारा ग्राहकों तक पहुंच बना पाना एवं आय सुनिश्चित करना आसान लगा और यह उनके पति के काम में भी सहायक होगा। लेकिन पर्याप्त पैसों की कमी उसके सपनों के बीच रुकावट बन गई। इस कमी को सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट के एक

ऋण अधिकारी ने पूरी की। ऋण अधिकारी ने उन्हें माइक्रोफाइनेंस और जॉइंट लेंडिंग मॉडल के बारे में अच्छी तरह से समझाया। अच्छी तरह समझने के बाद वो आर्थिक उज्ज्वल भविष्य को देखते

हुए वह तुरंत सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट की सदस्य बन गई। कंपनी की सहायता से उन्हें अपना पहला लोन 15,000 रुपये का मिला, जिससे उन्होंने फार्मसी स्टोर शुरू कर दिया। आखिरकार उनके व्यवसाय का विस्तार होने लगा और परिवार की वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ। जैसा कि उन्होंने पहले अनुमान लगाया था, इससे उन्होंने अपने पति के क्लिनिक को भी सपोर्ट किया। छह साल बीत चुके हैं और अपने एडिशनल फाइनेंस राउंड के साथ उन्होंने अपने उत्पाद रेंज का विस्तार करने के लिए ज्यादा प्रोडक्ट खरीदे। आज हेमप्रभा के व्यवसाय ने उन्हें अपने बेटों को एक प्रतिष्ठित फार्मसी कॉलेज में पढ़ने के लिए सक्षम बनाया है और वे जल्द ही फार्मसी स्टोर को विस्तार करने के लिए उनके साथ जुड़ेंगे। हेमप्रभा ने कहा कि, मैं सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट के साथ अपने पाँचवें लोन साइकल पर हूँ। मैं अपने सपने पूरे करने और अपने बच्चों के लिए बेहतर और सुरक्षित भविष्य प्रदान करने में मदद करने के लिए सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट की बहुत आभारी हूँ।



Publication	Tarun Chhattisgarh
Edition	Raipur
Date	15 th October, 2020
Page No.	03

बीरगांव की हेमप्रभा बनी महिलाओं के लिए मिसाल

रायपुर, 15 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़)। बीरगांव, रायपुर छत्तीसगढ़ की हेमप्रभा शर्मा अपने दृढ़ संकल्प की वजह से एक गृहणी से लेकर एक सफल उद्यमी बनने तक की उनकी सफलता की कहानी काफी प्रेरणादायक और दिलचस्प है। हेमप्रभा के पति आयुर्वेदिक डॉक्टर हैं, जो एक छोटा सा क्लिनिक चलाते हैं और परिवार में एकमात्र कमाने वाले हैं। हालाँकि क्लिनिक से होने वाली कमाई से चार लोगों के परिवार की बढ़ती जरूरतों को पूरा करना आसान नहीं था। परिवार की बिगड़ती आर्थिक स्थिति उसके दो बच्चों की शिक्षा को भी प्रभावित कर रही थी। परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए दृढ़ संकल्पित हेमप्रभा ने काम करके अपने परिवार को सपोर्ट करने का फैसला किया। हालाँकि बीरगाँव में रोजगार के सीमित अवसर थे और ऐसे में उनके पास उद्यमशीलता एकमात्र विकल्प था। इस कमी को सेंटर माइक्रोक्रेडिट के एक ऋण अधिकारी ने पूरी की। ऋण अधिकारी ने उन्हें माइक्रोफाइनेंस और जॉइंट लेंडिंग मॉडल के बारे में अच्छी तरह से समझाया। अच्छी तरह समझने के बाद वो आर्थिक उज्ज्वल भविष्य को देखते हुए वह तुरंत सेंटर माइक्रोक्रेडिट की सदस्य बन गईं। हेमप्रभा ने कहा कि, मैं सेंटर माइक्रोक्रेडिट के साथ अपने पाँचवें लोन साइकल पर हूँ। मैं अपने सपने पूरे करने और अपने बच्चों के लिए बेहतर और सुरक्षित भविष्य प्रदान करने में मदद करने के लिए सेंटर माइक्रोक्रेडिट की बहुत आभारी हूँ। अब हमारा परिवार आर्थिक रूप से सुरक्षित है और हम खुशहाल व सुरक्षित जीवन जी रहे हैं।



Publication	Aman Path
Edition	Raipur
Date	16 th October, 2020
Page No.	06

बीरगांव की हेमप्रभा बनी अन्य महिलाओं के लिए मिसाल

असन घल न्यूज

रायपुर। रायपुर छत्तीसगढ़ की हेमप्रभा शर्मा अपने हड़ संकल्प की वजह से एक गृहणी से लेकर एक सफल उद्यमी बनने तक की उनकी सफलता की कहानी काफी प्रेरणादायक और दिलचस्प है। हेमप्रभा के पति आयुर्वेदिक डॉक्टर हैं, जो एक छोटा सा क्लिनिक चलाते हैं और परिवार में एकमात्र कमाने वाले हैं। हालाँकि क्लिनिक से होने वाली कमाई से चार लोगों के परिवार की बढ़ती जरूरतों को पूरा करना आसान नहीं था। परिवार की बिगड़ती आर्थिक स्थिति उसके दो बच्चों की शिक्षा को भी प्रभावित कर रही थी। परिवार की आर्थिक स्थिति में



सुधार के लिए हड़ संकल्पित हेमप्रभा ने काम करके अपने परिवार को सपोर्ट करने का फैसला किया। हालाँकि बीरगांव में रोजगार के सीमित अवसर थे और ऐसे में उनके पास उद्यमशीलता

एकमात्र विकल्प था। अपने पति के डॉक्टर होने के कारण उन्होंने उनके क्लिनिक के पास एक छोटी फार्मेसी की दुकान शुरू करने के बारे में सोचा। इस तरह उनके लिए दुकान द्वारा ग्राहकों तक पहुंच बना पाना एवं आय सुनिश्चित करना आसान लगा और यह उनके पति के काम में भी सहायक होगा। लेकिन पर्याप्त पैसों की कमी उसके सपनों के बीच रुकावट बन गई। इस कमी को सेंट्रल माइक्रोक्रेडिट के एक ऋण अधिकारी ने पूरी की। ऋण अधिकारी ने उन्हें माइक्रोफाइनेंस और जॉइंट लेंडिंग मॉडल के बारे में अच्छी तरह से समझाया। अच्छी तरह समझने के बाद वो आर्थिक उज्ज्वल भविष्य को देखते हुए वह तुरंत सेंट्रल

माइक्रोक्रेडिट की सदस्य बन गई। कंपनी की सहायता से उन्हें अपना पहला लोन 15,000 रुपये का मिला, जिससे उन्होंने फार्मेसी स्टोर शुरू कर दिया। आखिरकार उनके व्यवसाय का विस्तार होने लगा और परिवार की वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ। जैसा कि उन्होंने पहले अनुमान लगाया था, इससे उन्होंने अपने पति के क्लिनिक को भी सपोर्ट किया। छह साल बीत चुके हैं और अपने एडिशनल फाइनेंस राउंड के साथ उन्होंने अपने उत्पाद रेंज का विस्तार करने के लिए ज्यादा प्रोडक्ट खरीदे। आज हेमप्रभा के व्यवसाय ने उन्हें अपने बेटों को एक प्रतिष्ठित फार्मेसी कॉलेज में पढ़ा के लिए सक्षम बनाया है।

Publication	Dabang Dniya
Edition	Raipur
Date	16 th October, 2020
Page No.	03

बीरगांव की हेमप्रभा बनी अन्य महिलाओं के लिए मिसाल

■ सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट
महत्वाकांक्षी महिला
उद्यमियों का कर रहा
समर्थन
दबंग रिपोर्टर » रायपुर



बीरगांव, रायपुर छत्तीसगढ़ की हेमप्रभा शर्मा अपने दृढ़ संकल्प की वजह से एक गृहणी से लेकर एक सफल उद्यमी बनने तक की उनकी सफलता की कहानी काफी प्रेरणादायक और दिलचस्प है। हेमप्रभा के पति आयुर्वेदिक डॉक्टर हैं, जो एक छोटा सा क्लिनिक चलाते हैं और परिवार में एकमात्र

कमाने वाले हैं। हालांकि क्लिनिक से होने वाली कमाई से चार लोगों के परिवार की बढ़ती जरूरतों को पूरा करना आसान नहीं था। परिवार की बिगड़ती आर्थिक स्थिति उसके दो बच्चों की शिक्षा को भी प्रभावित

कर रही थी। परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए दृढ़ संकल्पित हेमप्रभा ने काम करके अपने परिवार को सपोर्ट करने का फैसला किया। हालांकि बीरगांव में रोजगार के सीमित अवसर थे और ऐसे में उनके पास उद्यमशीलता एकमात्र विकल्प था। अपने पति के डॉक्टर होने के कारण उन्होंने उनके क्लिनिक के पास एक छोटी फार्मसी की दुकान शुरू करने के बारे में सोचा। इस तरह उनके लिए दुकान द्वारा ग्राहकों तक पहुंच बना पाना एवं आय सुनिश्चित करना आसान लगा और यह उनके पति के काम में भी सहायक होगा।

Publication	Swadesh
Edition	Raipur
Date	16 th October, 2020
Page No.	02

बीरगांव की हेमप्रभा बनी अन्य महिलाओं के लिए मिसाल

**सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट
महत्वाकांक्षी महिला उद्यमियों
का कर रहा है समर्थन**

रायपुर। बीरगांव, रायपुर छत्तीसगढ़ की हेमप्रभा शर्मा अपने दृढ़ संकल्प की वजह से एक गृहणी से लेकर एक सफल उद्यमी बनने तक की उनकी सफलता की कहानी काफी प्रेरणादायक और दिलचस्प है।

हेमप्रभा के पति आयुर्वेदिक डॉक्टर हैं, जो एक छोटा सा क्लिनिक चलाते हैं और परिवार में एकमात्र कमाने वाले हैं। हालाँकि क्लिनिक से होने वाली कमाई से चार लोगों के परिवार की बढ़ती जरूरतों को पूरा करना आसान नहीं था। परिवार की बिगड़ती आर्थिक स्थिति उसके दो बच्चों की शिक्षा को भी प्रभावित कर रही थी।

परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए दृढ़ संकल्पित हेमप्रभा ने काम करके अपने परिवार को सपोर्ट करने का



फैसला किया। हालाँकि बीरगाँव में रोजगार के सीमित अवसर थे और ऐसे में उनके पास उद्यमशीलता एकमात्र विकल्प था।

अपने पति के डॉक्टर होने के कारण उन्होंने उनके क्लिनिक के पास एक छोटी फार्मसी की दुकान शुरू करने के बारे में सोचा। इस तरह उनके लिए दुकान द्वारा ग्राहकों तक पहुँच बना पाना एवं आय सुनिश्चित करना आसान लगा और यह उनके पति के काम में भी सहायक होगा। लेकिन पर्याप्त पैसों की कमी उसके सपनों

के बीच रुकावट बन गई।

इस कमी को सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट के एक ऋण अधिकारी ने पूरी की। ऋण अधिकारी ने उन्हें माइक्रोफाइनेंस और जॉइंट लेंडिंग मॉडल के बारे में अच्छी तरह से समझाया। अच्छी तरह समझने के बाद वो आर्थिक उज्ज्वल भविष्य को देखते हुए वह तुरंत सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट की सदस्य बन गई।

कंपनी की सहायता से उन्हें अपना पहला लोन 15,000 रुपए का मिला, जिससे उन्होंने फार्मसी स्टोर शुरू कर दिया।

आखिरकार उनके व्यवसाय का विस्तार होने लगा और परिवार की वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ। जैसा कि उन्होंने पहले अनुमान लगाया था, इससे उन्होंने अपने पति के क्लिनिक को भी सपोर्ट किया। छह साल बीत चुके हैं और अपने एडिशनल फाइनेंस राउंड के साथ उन्होंने अपने उत्पाद रेंज का विस्तार करने के लिए ज्यादा प्रोडक्ट खरीदे। आज हेमप्रभा के व्यवसाय ने उन्हें अपने बेटों को एक प्रतिष्ठित फार्मसी कॉलेज में पढ़ने के लिए सक्षम बनाया है और वे जल्द ही फार्मसी स्टोर को विस्तार करने के लिए उनके साथ जुड़ेंगे।

हेमप्रभा ने कहा कि, मैं सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट के साथ अपने पाँचवें लोन साइकल पर हूँ। मैं अपने सपने पूरे करने और अपने बच्चों के लिए बेहतर और सुरक्षित भविष्य प्रदान करने में मदद करने के लिए सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट की बहुत आभारी हूँ। अब हमारा परिवार आर्थिक रूप से सुरक्षित है और हम खुशहाल व सुरक्षित जीवन जी रहे हैं।

Publication	Samvet Shikhar
Edition	Raipur
Date	16 th October, 2020
Page No.	03

बिरगांव की हेमप्रभा बनी अन्य महिलाओं के लिए मिसाल

सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट महत्वाकांक्षी महिला उद्यमियों का कर रहा है समर्थन

समवेत शिखर न्यूज

रायपुर। बीरगांव, रायपुर छत्तीसगढ़ की हेमप्रभा शर्मा अपने दृढ़ संकल्प की वजह से एक गृहणी से लेकर एक सफल उद्यमी बनने तक की उनकी सफलता की कहानी काफी प्रेरणादायक और दिलचस्प है।

हेमप्रभा के पति आयुर्वेदिक डॉक्टर हैं, जो एक छोटा सा क्लिनिक चलाते हैं और परिवार में एकमात्र कमाने वाले हैं। हालाँकि क्लिनिक से होने वाली कमाई से चार लोगों के परिवार की बढ़ती जरूरतों को पूरा करना आसान नहीं था। परिवार की बिगड़ती आर्थिक स्थिति उसके दो बच्चों की शिक्षा को भी प्रभावित कर रही थी। परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए दृढ़ संकल्पित हेमप्रभा ने काम करके अपने परिवार को सपोर्ट करने का फैसला किया। हालाँकि बीरगाँव में रोजगार के सीमित अवसर थे और ऐसे में उनके पास उद्यमशीलता



एकमात्र विकल्प था। अपने पति के डॉक्टर होने के कारण उन्होंने उनके क्लिनिक के पास एक छोटी फर्मेंसी की दुकान शुरू करने के बारे में सोचा। इस तरह उनके लिए दुकान द्वारा ग्राहकों तक पहुंच बना पाना एवं आय सुनिश्चित करना आसान लगा और यह उनके पति के काम में भी सहायक होगा। लेकिन पर्याप्त पैसों की कमी उसके सपनों के बीच रुकावट बन गई। इस कमी को सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट के एक ऋण अधिकारी ने पूरी की। ऋण अधिकारी ने उन्हें माइक्रोफाइनेंस और जॉइंट लेंडिंग मॉडल के बारे में अच्छी तरह से समझाया।

अच्छी तरह समझने के बाद वो आर्थिक उज्ज्वल भविष्य को देखते हुए वह तुरंत सेंट्रम माइक्रोक्रेडिट की सदस्य बन गईं। कंपनी की सहायता से उन्हें अपना पहला लोन 15,000 रुपये का मिला, जिससे उन्होंने फर्मेंसी स्टोर शुरू कर दिया।

Publication	Central Chronicle
Edition	Online
Date	15 th October, 2020

URL: <http://www.centralchronicle.in/hemprabha-becomes-role-model-for-other-women/>

Chhattisgarh
Raipur

Hemprabha becomes role model for other women

 Manoj Nair · 18 hours ago
 0
8
1 minute read



Raipur, Oct 15: Hemprabha Sharma belongs to a small village called Birgaon situated in the Raipur district of Chhattisgarh. Her story of determination and success from being a homemaker to a successful entrepreneur is admirable. Hemprabha's husband is an Ayurvedic doctor, who runs a small clinic in their village and the only bread

Publication	NCB India
Edition	Online
Date	15 th October, 2020

URL: <https://ncbindia.page/article/beeragaanv-kee-hemaprabha-banee-any-mahilaon-ke-lie-misaal-sentram-maikrokredit-mahatvaakaankshee-ma/CKC5FS.html>

Hemprabha of Birgaon became an example for other women - Centrum microcredit is supporting aspiring women entrepreneurs -

October 15, 2020 • SHYAM KASHYAP • HEALTH

Hemprabha of Birgaon became an example for other women

- Centrum microcredit is supporting ambitious women
entrepreneurs -

Raipur, Chhattisgarh - Hemprabha Sharma of Birgaon, Raipur Chhattisgarh, because of her determination, her success story from a homemaker to a successful entrepreneur is quite inspiring and interesting.

Hemprabha's husband is an Ayurvedic doctor, who runs a small clinic and is the only earner in the family. However, it was not easy to meet the growing needs of a family of four with the proceeds from the clinic. The deteriorating economic condition of the family was also affecting the education of her two children.

Publication	Khabar Express24
Edition	Online
Date	15 th October, 2020

URL: <https://bit.ly/37aFgzL>

बीरगांव की हेमप्रभा बनी अन्य महिलाओं के लिए मिसाल

October 15, 2020 Ankit Tiwari

